# कृषि विश्वविद्यालय, कोटा : एक नज़र

यह विश्वविद्यालय 1987 में राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के स्थापना तक बहु संकाय मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर का हिस्सा था। बाद में, यह राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के विभाजन के साथ 1 नवंबर, 1999 को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर का हिस्सा रहा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर और महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के विभाजन पर कृषि विश्वविद्यालय, कोटा **14 सितम्बर, 2013** को अस्तित्व में आया। राजस्थान के पूर्व एवं दक्षिण पूर्व क्षेत्र की कृषि समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कृषि विश्वविद्यालय, कोटा को बनाया गया। चूँकि इस विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र इसके मूल विश्वविद्यालय मुख्यालय बीकानेर और उदयपुर से बहुत दूर था, इसलिए कोटा क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे के विकास पर ध्यान का अभाव था। लेकिन यह विश्वविद्यालय समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है तथा इसमें कृषि विकास और संसाधन सृजन की काफी संभावनाएं हैं। यह राजस्थान का एकमात्र कृषि विश्वविद्यालय है जो स्वयं के संसाधन उत्पन्न कर अपने कर्मचारियों को नियमित पूर्ण पेंशन प्रदान कर रहा है।

## विश्वविद्यालय सेवा क्षेत्र

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का कार्य क्षेत्र पूर्व एवं दक्षिण–पूर्व राजस्थान के 06 जिलों : कोटा, बारां, झालावाड़, बूंदी, सवाई माधोपुर और करौली में फैला हुआ है। विश्वविद्यालय सेवा क्षेत्र दो कृषि–जलवायु क्षेत्र : आर्द्र दक्षिण पूर्व मैदान क्षेत्र V और बाढ़ प्रभावित पूर्व मैदान III B में हैं। विश्वविद्यालय कार्य क्षेत्र राजस्थान राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 9.98 प्रतिशत, कुल मानव आबादी का 12.38 प्रतिशत और पशुधन आबादी का 11.26 प्रतिशत है। इसमें राज्य का 31.59 प्रतिशत वन क्षेत्र भी शामिल है। इसके अलावा राज्य का 9.51 प्रतिशत शुद्ध बुवाई क्षेत्र एवं 20.60 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र कृषि विश्वविद्यालय, कोटा कार्य क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

## विजन

कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली कृषि संपदा के निर्माण के लिए विश्वविद्यालय को राजस्थान एवं भारत में एक प्रमुख संस्थान के रूप में आकार देना।

## मिशन

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का मिशन कृषि एवं संबद्ध विज्ञान के विषयों के लिए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है और कृषक समुदाय की सेवा के लिए सक्षम एवं कुशल मानव संसाधन और नवीन प्रौद्योगिकियों को विकसित करना एवं ज्ञान के प्रसार को बढ़ावा देकर राजस्थान व भारत को कृषि समृद्ध करना है।

## अधिदेश

- कृषि, बागवानी, वानिकी एवं संबद्ध क्षेत्रों में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से पेशेवर रूप से सक्षम मानव संसाधनों का विकास करना।
- सतत् कृषि विकास के लिए प्रौद्योगिकियों और फसल सुधार को विकसित करने के लिए बुनियादी और आवश्यकता आधारित क्षेत्र–विशेष अनुप्रयुक्त अनुसंधान का संचालन करना।
- सहभागी दृष्टिकोण के माध्यम से प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, शोधन और ज्ञान के हस्तांतरण को बढ़ावा देना।
- क्षेत्र के सतत् कृषि विकास के लिए राज्य/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ संबंध विकसित करना।

## आधारभूत संरचना

विश्वविद्यालय ने प्रशासनिक भवन, प्रयोगशालाएं, अच्छी तरह से सुसज्जित स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर प्रयोगशाला, ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला, फाइटोसैनिटरी प्रयोगशाला, मिट्टी एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला, पादप निदानशाला, भाषा प्रयोगशाला, सेमिनार भवन, सम्मेलन भवन, किसान घर, लड़कियों एवं लड़कों के छात्रावास आदि भौतिक सुविधाओं का विस्तार किया है। विश्वविद्यालय में आधुनिक निर्देशात्मक एवं अनुसंधान फार्म, आधुनिक उपकरण एवं कृषि मशीनरी, पॉलीहाउस, ग्रीन हाउस, हाइड्रोपोनिक्स इकाई, शहद प्रसंस्करण इकाई, मॉडल नर्सरी, पुस्तकालय, हाई–स्पीड इंटरनेट, खेल मैदान, व्यायामशाला और सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों की विभिन्न इकाइयों में छात्रों को उनके व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए अनुकूल वातावरण एवं सुविधाएं प्रदान करती हैं। विश्वविद्यालय के पास सुखद आवास के लिए एक सुसज्जित अतिथि गृह, सभा भवन, सम्मेलन हॉल एवं विश्वविद्यालय मुख्यालय पर कृषि शिक्षा संग्रहालय है।

### विश्वविद्यालय कार्य क्षेत्र में मुख्य फसल परिदृश्य

| राज्य में % हिस्सेदारी | फसल | चावल | उडद | सोयाबीन | गेंहूँ | सरसों | लहसुन | धनिया | मसूर | संतरा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | क्षेत्रफल | 53.30 | 55.34 | 65.90 | 26.41 | 16.44 | 82.12 | 90.30 | 41.78 | 99.45 |
| | उत्पादन | 57.80 | 53.57 | 57.96 | 26.70 | 17.80 | 75.13 | 89.31 | 44.80 | 99.74 |

स्रोत : कृषि सांख्यिकी रिपोर्ट 2021–22, कृषि विभाग, राजस्थान सरकार

### विभिन्न इकाइयों पर भूमि उपलब्धता

| क्र.सं. | इकाई का नाम | कुल भूमि (हे.) |
|---|---|---|
| 1. | अनुसंधान निदेशालय (कृ.अ.के., या.कृ.फा., 2 कृ.अ.उ.के., बीज फार्म) | 682.29 |
| 2. | प्रसार शिक्षा निदेशालय (6 कृ.वि.के.) | 148.08 |
| 3. | उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ | 120.00 |
| 4. | कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा | 39.75 |
| 5. | कृषि महाविद्यालय, हिण्डोली (बूंदी) | 27.61 |
| | **कुल** | **1017.73** |

वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों एवं जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा हितधारक–केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ कृषि शिक्षा, अनुसंधान, विस्तार और प्रशिक्षण में गुणवत्ता, उत्कृष्टता और प्रासंगिकता प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

## शिक्षा

### शैक्षणिक कार्यक्रम

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी में 3 स्नातक (आनर्स) उपाधि कार्यक्रम, 5 कृषि, 4 बागवानी और 4 वानिकी विषयों में स्नात्कोत्तर उपाधि कार्यक्रम तथा 2 कृषि, 2 उद्यानिकी एवं 1 वानिकी विषयों में विद्यावाचस्पति उपाधि प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में 3 संघटक महाविद्यालय (उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ 2004, कृषि महाविद्यालय, कोटा, 2018 और कृषि महाविद्यालय, हिंडोली, बूंदी 2021), 13 संबद्ध महाविद्यालय (9 सरकारी और 4 निजी) हैं। विश्वविद्यालय की कुछ प्रमुख शैक्षणिक उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं।

- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड द्वारा अप्रैल 2021 से मार्च 2026 तक 5 वर्षों के लिए मान्यता दी गई है।
- इसके साथ ही स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी, स्नातक (ऑनर्स) वानिकी, स्नातकोत्तर फल विज्ञान, सब्जी विज्ञान, पुष्पोत्पादन एवं भूदृष्य विज्ञान, वानिकी एवं कृषि वानिकी, वानिकी उत्पाद एवं उपयोग, वन जीव विज्ञान एवं वृक्ष सुधार और विद्यावाचस्पति फल विज्ञान कार्यक्रमों को भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली द्वारा मार्च, 2026 तक मान्यता दी गई है।
- विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक 6 दीक्षांत समारोह आयोजित करके कृषि, बागवानी और वानिकी संकाय में शैक्षणिक सत्र 2015–16 से 2021–22 के लिए 1050 स्नातक, 200 स्नात्कोत्तर एवं 10 विद्यावाचस्पति छात्रों को उपाधि प्रदान की।

- विश्वविद्यालय के 54 छात्रों ने भा.कृ.अ.प.–राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की तथा 24 एवं 7 छात्रों ने क्रमशः सीनियर रिसर्च फैलौशिप और जूनियर रिसर्च फैलोशिप प्राप्त की। श्री रौनक कुमार ने भा.कृ.अ.प.–जूनियर रिसर्च फैलोशिप 2021 में अखिल भारतीय स्तर पर दूसरा स्थान (2022) एवं श्री हर्षित कुमार ने अनुसूचित जाति वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया। श्री अशोक कुमार मीना ने भा.कृ.अ.प.–सीनियर रिसर्च फैलोशिप 2022 में अखिल भारतीय स्तर पर अनुसूचित जनजाति वर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया।
- 150 से अधिक छात्रों को विभिन्न सरकारी, अर्ध सरकारी, निजी और गैर–सरकारी संगठनों में नौकरी मिली है तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न संघटक महाविद्यालयों के 2553 छात्रों को विभिन्न संगठनों से विभिन्न छात्रवृत्तियाँ प्राप्त हुई हैं। सुश्री रुचि बिश्नोई, विद्यावाचस्पति (अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन) विद्यार्थी को जवाहर लाल नेहरू छात्रवृत्ति के लिए चुना गया।
- वर्ष 2022–23 के दौरान उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़, कृषि महाविद्यालय, कोटा तथा कृषि महाविद्यालय, हिंडोली में विश्वविद्यालय द्वारा नवाचार कार्यक्रम **"कुलपति–विद्यार्थी संवाद"** शुरू किया गया। माननीय कुलपति डॉ. ए. के. व्यास, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा ने स्नात्कोत्तर एवं विद्यावाचस्पति छात्रों के साथ आत्म–नियंत्रण, आत्म–प्रेरणा, आत्मविश्वास, आत्म–प्रबंधन, समय प्रबंधन और जीवन के उद्देश्य जैसे विभिन्न पहलुओं पर संवाद किया गया। छात्रों को उनके जीवन लक्ष्य के प्रति प्रेरित किया गया कि जीवन लक्ष्य को कुशल तरीके से कैसे प्राप्त किया जा सकता है।

### विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण छात्र (2013–2023)

| उपाधि कार्यक्रम | बी.एससी. | एम.एससी. | पी.एचडी. | कुल |
|---|---|---|---|---|
| **कृषि** | 718 | 84 | 7 | 809 |
| **उद्यानिकी** | 399 | 107 | 5 | 511 |
| **वानिकी** | 200 | 30 | 1 | 231 |
| **कुल** | **1317** | **221** | **13** | **1551** |

## अनुसंधान

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की संघटक इकाइयों के रूप में उम्मेदगंज, कोटा में एक कृषि अनुसंधान केन्द्र, एक यांत्रिक कृषि फार्म, खानपुर और अकलेरा में कृषि अनुसंधान उप केन्द्र स्थापित हैं। अनुसंधान का अधिदेश कृषि–जलवायु क्षेत्र–V और III-B में फसल उत्पादकता, लाभप्रदता और कृषि उत्पादन की स्थिरता को बढ़ाने के लिए बुनियादी और व्यावहारिक अनुसंधान करना है। विश्वविद्यालय में 14 अखिल भारतीय कृषि अनुसंधान परियोजनाऐं, 5 स्वैच्छिक केंद्र, 5 सीड हब, 9 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, 1 एकीकृत बागवानी विकास मिशन, 1 ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के साथ–साथ राज्य गैर योजनाएं और राज्य सरकार /निजी कंपनियों द्वारा वित्त पोषित कई तदर्थ अनुसंधान परियोजनाएं और अन्य संस्थानों के साथ सहयोगी परियोजनाएं संचालित हैं।

### अनुसंधान इकाईयों पर भूमि उपलब्धता

| क्र.स. | अनुसंधान इकाई का नाम | कुल भूमि (हे.) |
|---|---|---|
| 1. | कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा | 82.79 |
| 2. | यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा | 484.00 |
| 3. | कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा, झालावाड | 42.00 |
| 4. | कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर, झालावाड | 52.00 |
| 5. | कृषि फार्म, सुल्तानपुर (कोटा) | 21.50 |

विश्वविद्यालय की कुछ प्रमुख शोध उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

- विश्वविद्यालय द्वारा 28 किस्में विकसित (26 अधिसूचित एवं 2 पहचान) की गई।
- कुल 41 किस्मों एवं 240 उत्पादन तकनीकियों का परीक्षण किया गया और कृषि–जलवायु क्षेत्र–V और III-B के लिए पैकेज ऑफ प्रेक्टिस (POP) में शामिल किया गया। ये उत्पादन तकनीकियाँ फसल सुधार (69), फसल उत्पादन (114) और पौध संरक्षण (57) से संबंधित हैं।

### विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्में

| क्र.सं. | किस्म | अधिसूचित वर्ष |
|---|---|---|
| 1. धान | प्रताप सुगंधा–1 | 2013 |
| 2. सोयाबीन | प्रताप राज सोया 45 (RKS 45) | 2013 |
| 3. उडद | प्रताप उडद–1 (KPU 07–08) | 2013 |
| 4. गन्ना | प्रताप गन्ना–1 (COPK 5191) | 2013 |
| 5. अलसी | प्रताप अलसी 2 (RL 26016) | 2015 |
| 6. अलसी | कोटा बारानी अलसी–3 (RL 29202) | 2015 |
| 7. अलसी | कोटा बारानी अलसी–4 (RL 10193) | 2015 |
| 8. धनिया | प्रताप राज धनिया 1 (RKD 18) | 2015 |
| 9. सोयाबीन | कोटा सोया 1 (RKS 113) | 2018 |
| 10. मसूर | कोटा मसूर 1 (RKL 607–1) | 2018 |
| 11. मसूर | कोटा मसूर 2 (RKL 14–20) | 2018 |
| 12. उडद | मुकुन्दरा उडद–2 (KPU 405) | 2018 |
| 13. राजमा | कोटा राजमा 1 (RKR 1033) | 2018 |
| 14. मटर | कोटा मटर 1 (KPF 101) | 2020 |
| 15. चना (देशी) | कोटा देशी चना–1 (RKG 13–515) | 2020 |
| 16. चना (काबुली) | कोटा काबुली चना–1 (RKGK 13–271) | 2020 |
| 17. मसूर | कोटा मसूर–3 (RKL 605–03) | 2020 |
| 18. उडद | कोटा उडद–3 (KPU 524–65) | 2020 |
| 19. उडद | कोटा उडद–4 (KPU 12–1735) | 2020 |
| 20. अलसी | कोटा बारानी अलसी–5 (RL 29005) | 2020 |
| 21. चना (काबुली) | कोटा काबुली चना–2 (RKGK 13–499) | 2021 |
| 22. चना (काबुली) | कोटा काबुली चना–3 (RKGK 13–414) | 2021 |
| 23. मसूर | कोटा मसूर–4 RKL 58 एफ 3715 | 2021 |
| 24. उडद | कोटा उडद–5 (KPU 52–87) | 2021 |
| 25. अलसी | कोटा अलसी–6 (RL 13165) | 2021 |
| 26. अलसी | कोटा बारानी अलसी–6 (RL 15584) | 2021 |
| 27. उडद | कोटा उडद–6 (KPU 18–1) | 2022 |
| 28. चना (काबुली) | कोटा काबुली चना–4 (RKGK 13–416) | 2023 |

कोटा उड़द 4

कोटा काबुली चना 4

कोटा बारानी अलसी 4

मुकन्दरा उड़द 2

कोटा मसूर 4

कोटा राजमा 1

- एकीकृत कृषि प्रणालियों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना और मूंग, उड़द, मसूर, खेसारी, राजमा और मटर (MULLaRP) कोटा को क्रमशः सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार–2018 और सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार 2019 प्राप्त हुआ। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के कई वैज्ञानिकों को विभिन्न संगठनों, संस्थानों और पेशेवर समाजों द्वारा फैलो पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार, प्रशंसा पत्र जैसे पुरस्कार और सम्मान दिये गये।
- जैविक खेती के अनुकूलन और जैव उर्वरकों के उपयोग के लिए कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा में महर्षि पाराशर कृषि शोध पीठ की स्थापना की गई है।
- विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों के 50,000 क्विंटल प्रजनक बीज का उत्पादन किया ताकि इसे आगे गुणन के लिए बीज उत्पादक एजेंसियों को उपलब्ध कराया जा सके। 50,000 क्विंटल से अधिक गुणवत्ता वाले बीज का भी उत्पादन किया गया और किसानों को उपलब्ध कराया गया। कुल मिलाकर पिछले 10 वर्षों के दौरान विभिन्न फसल किस्मों के एक लाख क्विंटल से अधिक गुणवत्तायुक्त बीज का उत्पादन किया गया।
- विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद कुल 144 विभिन्न राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, निजी और अन्य अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से 5959.78 लाख धनराशि प्राप्त हुई।
- विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा 13.57 तक रेटिंग के कुल 611 शोध पत्र विभिन्न समीक्षा एवं प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

## प्रसार शिक्षा

प्रसार शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के तीन प्रमुख कार्यों में से एक है। विश्वविद्यालय की प्रसार शिक्षा गतिविधियों की योजना, आयोजन, संचालन और समन्वय की जिम्मेदारी प्रसार शिक्षा निदेशालय की है। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रसार निदेशालय की कार्यात्मक शाखाएँ हैं। कृषि की उत्पादकता, लाभप्रदता और स्थिरता में वृद्धि के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण से विश्वविद्यालय के अंतर्गत 6 कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं। ये कृषि विज्ञान केन्द्र राज्य के दो कृषि–जलवायु क्षेत्रों (जोन V और जोन III-B) में फैले हुए हैं। विवरण इस प्रकार हैं।

| कृषि जलवायु क्षेत्र | जिला | स्थान | स्थापना वर्ष | निर्देशात्मक फार्म क्षेत्रफल |
|---|---|---|---|---|
| बाढ़ प्रभावित पूर्वी मैदानी क्षेत्र (जोन–III-B) | करौली<br>सवाई माधोपुर | एकोराशि (हिण्डौन सिटी)<br>करमोदा | 2004<br>1992 | 20.25<br>16.58 |
| आर्द्र दक्षिण पूर्वी मैदान (जोन–V) | कोटा, बूंदी<br>झालावाड<br>बारां | बोरखेडा<br>श्योपुरिया बावरी<br>झालावाड़, अंता | 1992<br>1992<br>1992<br>1995 | 46.36<br>37.12<br>16.13<br>15.04 |

सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में जिले के किसानों, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवाओं अन्य हितधारकों को कौशल–उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित कार्यालय, प्रशिक्षण हॉल, किसान छात्रावास, निर्देशात्मक फार्म, उन्नत कृषि उपकरण, पादप स्वास्थ्य क्लिनिक, मिट्टी एवं जल परीक्षण प्रयोगशालाएं, आधुनिक श्रृव्य–दृश्य उपकरण, मातृ उद्यान, मॉडल नर्सरी, ग्रीन हाउस, पॉलीहाउस, आदर्श डेयरी इकाई, बकरी पालन इकाई, मुर्गी पालन इकाई, मधुमक्खी पालन इकाई, खाद्य प्रसंस्करण इकाई और मूल्य संवर्धन, अजोला इकाई, जैव–कीटनाशक इकाई, प्रदर्शन सह व्यावसायिक इकाईयां स्थापित है। विश्वविद्यालय की कुछ प्रमुख विस्तार उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं :

- एक लाख से अधिक किसानों, कृषक महिलाओं और अन्य हितधारकों के लिए 3000 क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित किए।
- विश्वविद्यालय ने 3500 भागीदारों के लिए खाद्य प्रसंस्करण पर विशेष कौशल विकास प्रशिक्षणों का आयोजन किया, जिनमें से 700 ने अपना उद्यम शुरू किया और 2.0 से 25.0 लाख रूपये प्रतिवर्ष की आय प्राप्त कर रहे है।

- 12,000 हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न कृषि और बागवानी फसलों की नवीनतम उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर किसानों के खेतों में तकनीकी मूल्यांकन और इसके अनुप्रयोग के प्रदर्शन के लिए 25000 प्रक्षेत्र अनुसंधान एवं प्रथम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किये गये, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण आर्थिकी के साथ 12 से 45 प्रतिशत तक फसलों की उपज में वृद्धि हुई है।
- कृ.वि.के. कोटा, बूंदी, झालावाड़ में तीन दलहन बीज हब और कृ.वि.के.कोटा में एक तिलहन बीज हब (सरसों) तथा कृ.वि.के., बारां और करौली में जिला कृषि–मौसम इकाइयों की स्थापना की गई।
- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा हाल ही में कोटा में धनिया और लहसुन प्रसंस्करण और बेकरी उत्पादों के लिए 3.39 करोड़ रुपये का वित्त पोषण के बजट परिव्यय से कॉमन इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना की गई।
- माननीय राज्यपाल ने वर्ष 2022 और 2023 में लगातार दो बार विश्वविद्यालय सामाजिक दायित्व के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों कनवास और आवां के विकास में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।
- कृ.वि.के, अंता (बारां), कोटा और बूंदी को 2011, 2016 और 2018 में भा.कृ.अ.प., नई दिल्ली द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार (जोन–II) से सम्मानित किया गया है। कृ.वि.के कोटा को भा.कृ.अ.प. द्वारा 1.00 लाख रूपये का कैशलेस कृषि विज्ञान केंद्र पुरस्कार 2017 प्राप्त हुआ।

- विश्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षित कई किसानों को प्रतिष्ठित "पदम श्री" (श्री हुकुम चंद पाटीदार, झालावाड़), पद्मा पुरस्कार (श्रीमती सोनिया जैन, झालावाड़), जग जीवन राम अभिनव कृषक पुरस्कार (श्री किशन सुमन) जैसे विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।
- विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों के 27 प्रशासनिक और वित्तीय कर्मचारियों के लिए कार्यालय प्रबंधन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके प्रभाव के रूप में तत्परता, फ़ाइल प्रबंधन, रिकॉर्ड रखने, नोटिंग और ड्राफ्टिंग, सौंपे गए कार्य के प्रति ईमानदारी के संबंध में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया है।

### कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र

यह केन्द्र सूचना एवं प्रौद्योगिकी के समावेश के माध्यम से नवीनतम तकनीकों, बीज एवं रोपण सामग्री, नैदानिक सुविधाओं, साहित्य और प्रशिक्षण के संबंध में किसानों और अन्य हितधारकों की आवश्यक जानकारी को पूरा करने के लिए "सिंगल विंडो डिलीवरी सिस्टम" के सिद्धांत पर विश्वविद्यालय मुख्यालय में कार्य कर रहा है। उपरोक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं के साथ हाई–टेक कॉन्फ्रेंस हॉल, सूचना एवं प्रौद्योगिकी सक्षम शैक्षिक किट के साथ किसान कॉल सेंटर, कृषि शिक्षा संग्रहालय और सूचना एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला से सुसज्जित है।

### प्रतिभा को आकर्षित करना

डॉ. ए.के. व्यास, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की नवीन पहल पर कोटा संभाग के स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 9–12 के छात्रों को कृषि शिक्षा की ओर आकर्षित किया जा रहा है। विभिन्न स्कूलों के 1500 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने कृषि शिक्षा संग्रहालय, अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा की विभिन्न इकाईयों, संघटक महाविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भ्रमण कर विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कृषि अनुसंधान एवं नवीन तकनीकों के बारे में जाना। साथ ही विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने विद्यार्थियों को कृषि शिक्षा में अपना कैरियर बनाने के लिए जागरूक किया।

संरक्षक
डॉ. अभय कुमार व्यास
माननीय कुलपति

मुख्य संपादक
डॉ. मुकेश गोयल
निदेशक (पी.एम.एण्ड ई.)

संपादक
डॉ. कमल चन्द मीना
सह-आचार्य (प्रसार शिक्षा)


अक्टूबर, 2023

# कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

## एक नजर

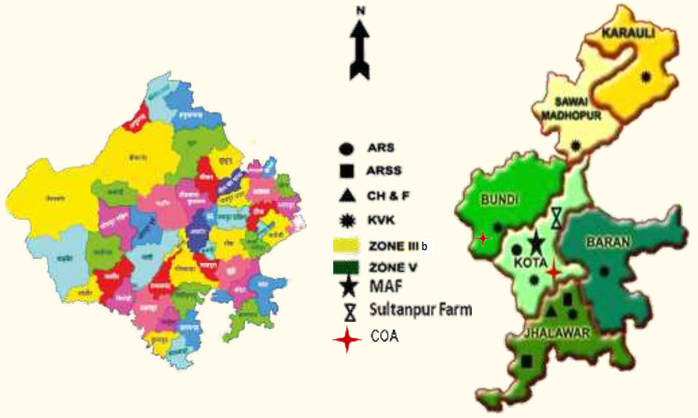

**निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन**
कृषि विश्वविद्यालय, बारां रोड़, बोरखेड़ा, कोटा-324001 (राजस्थान)
E-mail : dpme@aukota.org/ dpmeaukota2013@gmail.com
Website : http://aukota.org ☎ 0744-2340048